CLASS : 12th (Sr. Secondary) **Code No. 1253**

Series : SS/Annual Exam.-2024

रोल नं० | | | | | | | | | | |

उत्तर मध्यमा सह वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा संस्कृत व्याकरण भाग – 1
(परम्परागत संस्कृत विद्यापीठ)

Sub Code : 1205/SVO

(Only for Fresh/Re-appear/Improvement/Additional Candidates)

*समय : **3** घण्टे]* *[पूर्णांक : **80***

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** तथा प्रश्न **5** हैं।*
- *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये **कोड नम्बर** को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।*

- *कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/ पन्ने न छोड़ें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।*
- *परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।*
- *कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, **परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।***

निर्देश :- *(क)* ***सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।*** *यथानिर्देशम् उत्तरणीयाः।*

(ख) उत्तरपुस्तिकायां प्रश्नसंख्या अवश्यमेव लेखनीया।

(ग) लेखः स्पष्टः सुवाच्यश्च स्यात्।

खण्डः - 'क'

[**बहुविकल्पीय-प्रश्नाः**]

1. प्रदत्तविकल्पेषु उत्तरं चित्वा लिख्यताम् - $1 \times 16 = 16$

(क) कृत्प्रत्ययाः युज्यन्ते -

(i) धातोः (ii) प्रातिपदिकात्

(iii) तद्धितात् (iv) स्त्रीप्रत्ययात्

(ख) कृत्यप्रत्ययाः प्रयुज्यन्ते -

(i) कर्तरि (ii) कर्मणि मात्रे

(iii) कर्मणि भावे च (iv) भावमात्रे

(ग) कृत्यप्रत्ययो ***नास्ति*** -

(i) तव्यत् (ii) अनीयर्

(iii) यत् (iv) तृच्

(घ) 'अचो यत्' इत्यस्य उदाहरणम् -

(i) चेयम्

(ii) शप्यम्

(iii) कार्यम्

(iv) भोग्यम्

(ङ) 'कर्ता' पदे प्रत्ययो वर्तते -

(i) क (ii) अण्

(iii) तृच् (iv) घ

(च) 'प्रज्ञः' पदे प्रत्ययो वर्तते -

(i) क (ii) अच्

(iii) अण् (iv) घ

(छ) 'कुम्भकारः' पदे कृत्प्रत्ययविधायकं सूत्रम् -

(i) गेहे कः (ii) कर्मण्यण्

(iii) आतश्चोपसर्गे (iv) युवोरनाकौ

(ज) 'दन्तच्छदः' पदे प्रत्ययो वर्तते -

(i) धञ् (ii) घ

(iii) अप् (iv) अच्

(झ) 'अजा' पदे प्रत्ययविधायकं सूत्रमस्ति -

(i) अजाद्यतष्टाप्

(ii) यूनस्तिः

(iii) उगितश्च

(iv) वयसि प्रथमे

(ञ) 'गार्गी' पदे प्रयुक्तः स्त्रीप्रत्ययो वर्तते -

(i) ङीष् (ii) ङीप्

(iii) ङीन् (iv) ति

(ट) 'वोतो गुणवचनात्' सूत्रेण सिद्धं पदमस्ति -

(i) बह्वी (ii) मृद्वी

(iii) गोपी (iv) नारी

(ठ) 'यूनस्तिः' सूत्रेण प्रत्ययो विधीयते -

(i) ङीन् (ii) ति

(iii) ङीष् (iv) ङीप्

(ड) 'शूर्पणखा' पदे प्रत्ययो वर्तते -

(i) चाप् (ii) टाप्

(iii) ति (iv) ङीष्

(ढ) 'इन्द्राणी' पदे प्रत्ययो वर्तते -

(i) ङीप् (ii) ङीष्

(iii) ङीन् (iv) ति

(ण) 'भवती' पदे स्त्रीप्रत्ययविधायकं सूत्रमस्ति -

(i) यूनस्तिः (ii) उगितश्च

(iii) द्विगोः (iv) पङ्क्तेश्च

(त) 'ङीप्' प्रत्ययविधायकं सूत्रमस्ति -

(i) पङ्गोश्च (ii) नृनरयोर्वृद्धिश्च

(iii) द्विगोः (iv) क्रीतात् करणपूर्वात्

खण्डः - 'ख'

[अतिलघूत्तरीय-प्रश्नाः]

2. प्रदत्तपदेषु प्रयुक्तं सूत्रं प्रत्ययश्च लिख्येताम् - $2 \times 5 = 10$

(क) एधनीयं त्वया।

(ख) ज्ञः।

(ग) स्नातं मया।

(घ) चयः।

(ङ) दन्तच्छदः।

3. प्रदत्तपदेषु प्रयुक्तं सूत्रं प्रत्ययश्च लिख्येताम् - $2 \times 5 = 10$

(क) नदी।

(ख) त्रिलोकी।

(ग) हिमानी।

(घ) शूर्पणखा।

(ङ) श्वश्रूः।

खण्डः – 'ग'

[लघूत्तरीय-प्रश्नाः]

4. प्रदत्तरूपाणि सूत्रप्रक्रियाप्रदर्शनपुरस्सरं साध्यन्ताम् – $4 \times 5 = 20$

(क) भवामि ***अथवा*** पपाठ।

(ख) आदत् ***अथवा*** वेदिष्यति।

(ग) शेरताम् ***अथवा*** जुहुयात्।

(घ) हेयात् ***अथवा*** दातासि।

(ङ) अदेवीः ***अथवा*** अनर्तिष्यत्।

खण्डः – 'घ'

[निबन्धात्मक-प्रश्नाः]

5. प्रदत्तधातूनां निर्दिष्टलकारेषु सर्वेषु पुरुषेषु वचनेषु च रूपाणि लिख्यन्ताम् – $6 \times 4 = 24$

(क) (i) भू धातोः लङि।

(ii) हन् धातोः लोटि।

(ख) (i) विद् धातोः लिटि।

(ii) शीङ् धातोः लृङि।

(ग) (i) हु धातोः लटि।

(ii) दा धातोः लुङि।

(घ) (i) दिव् धातोः लुटि।

(ii) नृत् धातोः विधिलिङि।